'ग्लोबल फ़ंड' ने अक्टूबर 2019 में लिऑन सम्मेलन से पूर्व एड्स, टीबी और मलेरिया के ख़िलाफ़ मुहिम और तेज़ करने के लिए 14 बिलियन अमरीकी डॉलर के लक्ष्य की घोषणा की है।

11 जनवरी 2019

पेरिस – 'ग्लोबल फ़ंड' ने अगले तीन सालों के लिए अपने अनुदान लक्ष्य की घोषणा की है। इस लक्ष्य के तहत यह बताया गया है कि सिर्फ़ 14 बिलियन डॉलर से कैसे 16 मिलियन लोगों का जीवन बचाने, एच.आई.वी., टीबी और मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर को आधा करने और सन 2023 तक एक मज़बूत स्वास्थ्य प्रणाली तैयार करने में मदद मिलेगी। 'छठी पुनःपूर्ति निवेश अध्ययन रिपोर्ट' (सिक्स्थ रीप्लेनिशमेंट इंवेस्टवेंट केस) के सारांश में बताया गया है कि 'ग्लोबल फ़ंड' को मिलने वाले इस पूरे फ़ंड की मदद से क्या हासिल किया जा सकता है, वैश्विक स्वास्थ्य के विकास की राह में आने वाले ख़तरे कौन – कौनसे हैं और अगर हम इस समय उनके ख़िलाफ़ मुहिम में तेज़ी नहीं लाते हैं, तो किस तरह के जोख़िम सामने आएंगे।

फ़्रांसीसी राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों ने 'ग्लोबल फ़ंड' के पुनःपूर्ति लक्ष्य को आज अपना पूरा समर्थन दिया। पेरिस में, 'ग्लोबल फ़ंड' के कार्यकारी निदेशक पीटर सैंड्स, विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉक्टर टेड्रॉस अधानम गेब्रेयीसस और फ़्रांस के स्वास्थ्य मंत्री एग्नेस बुज़ीन के साथ मंच साझा करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने इन महामारियों को ख़त्म करने के लिए वैश्विक सहयोग की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। फ़्रांस 'ग्लोबल फ़ंड' का संस्थापक सदस्य है और अपने शहर लिऑन में 10 अक्टूबर, 2019 को होने वाले 'ग्लोबल फ़ंड' के 'छठे पुनःपूर्ति सम्मेलन' की मेज़बानी करेगा।

"अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य असमानताओं के विरुद्ध लड़ने के लिए हमें अपने प्रयासों को दोबारा आरंभ करना होगा," कहा राष्ट्रपति मैक्रों ने। "साल 2019 में लिऑन में हम एड्स, टीबी और मलेरिया के ख़िलाफ लड़ने के लिए आयोजित ग्लोबल फ़ंड के छठे पुनःपूर्ति सम्मेलन की मेज़बानी कर रहे हैं। इन प्रमुख महामारियों से जूझने के लिए हम अपनी कार्रवाइयों को और तेज़ी से आगे बढ़ाएंगे। मैं सभी से एक साथ मिल कर इस मुहिम को आगे बढ़ाने का निवेदन करता हूँ।"

पुनःपूर्ति का लक्ष्य एक काफ़ी महत्वपूर्ण समय में सामने आया है। वैश्विक समुदाय स्थायी विकास के लक्ष्यों (SDG - Sustainable Development Goals) के ज़रिये एच.आई.वी., टीबी और मलेरिया महामारियों को सन 2030 तक ख़त्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन एच.आई.वी., टीबी और मलेरिया महामारियों के ख़िलाफ़ जारी इस मुहिम के काफ़ी आगे बढ़ने के सालों बाद, अब अनुदान में कमी और कीटनाशकों तथा औषधि प्रतिरोध में हुई वृद्धि जैसे नए ख़तरों की वजह से इसके विकास की रफ़्तार में कमी आई है और इसके फलस्वरूप यह बीमारियां दोबारा पनप रही हैं।

श्री सैंड्स ने कहा, "अब हम एक निर्णायक मोड़ पर खड़े हैं। ऐसे में क्या हमें यह मुहिम तेज़ करनी चाहिए या विकास की इस धीमी होती रफ़्तार को चुपचाप बैठ कर देखते रहना चाहिए?" उन्होंने आगे कहा, "नए

ख़तरों का मतलब है कि बीच का कोई रास्ता है ही नहीं। इस मुहिम को तेज़ करने की ज़रूरत है ताकि हमने अब तक जो कुछ भी हासिल किया है उसकी सुरक्षा कर सकें और उसकी मदद से आगे बढ़ सकें, वर्ना वह उपलब्धियां मिट्टी में मिल जाएंगी, संक्रमण और मौतों में बढ़ोतरी होगी और इन महामारियों को ख़त्म करने की संभावनाएं हाथ से निकल जाएंगी। अब अपने उन्हीं वादों को पूरा करने का वक्त आ गया है।. अगर हम अभी यह मुहिम तेज़ करते हैं, तो आने वाले दिनों में लाखों जीवन बचा सकते हैं।"

16 मिलियन लोगों का जीवन बचाने और SDG3 का लक्ष्य- "सभी के लिए स्वास्थ्य और कल्याण" हासिल करने के लिए वैश्विक समुदाय को और नए रास्ते ढूंढने होंगे, सहयोग बढ़ाना होगा और इन्हें ज़्यादा प्रभावी तरीके से अमल में लाना होगा। 14 बिलियन अमरीकी डॉलर की पुनःपूर्ति की मदद से 'ग्लोबल फ़ंड', एच.आई.वी., टीबी और मलेरिया के ख़िलाफ़ जारी मुहिम में एक मुख्य स्रोत और अगुआ के तौर पर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

डॉक्टर टेड्रॉस ने कहा, "पिछले 17 सालों में 'ग्लोबल फ़ंड' का असर किस तरह से बढ़ रहा है यह देखना वाकई बहुत ही शानदार है। 'ग्लोबल फ़ंड' के बोर्ड-अध्यक्ष के पद पर बैठना मेरे लिए एक सम्मान की बात थी और अब मैं बहुत ही उत्साहित हूं कि मुझे 'ग्लोबल फ़ंड' के लोगों के साथ स्वस्थ जीवन और सभी का कल्याण करने के लिए बनाई गई एक नई वैश्विक योजना पर काम करने का अवसर मिला है।"

सन 2002 में अपनी शुरुआत से ही 'ग्लोबल फ़ंड' साझेदारी ने असाधारण रूप से अपना प्रभाव छोड़ा है।. जिन देशों में हमने निवेश किया है, वहां 27 मिलियन से ज़्यादा जीवन बचाए गए हैं। एड्स, टीबी और मलेरिया से मरने वाले लोगों की संख्या में एक-तिहाई की कमी आई है। 'ग्लोबल फ़ंड' ने जिन देशों में निवेश किया है, वहां सिर्फ़ 2017 में ही 17.5 मिलियन लोगों को एच.आई.वी के लिए एंटी-रेट्रोवाइरल चिकित्सा दी गई, टीबी के 5 मिलियन मरीज़ों का इलाज किया गया और 197 मिलियन मच्छरदानियां बांटी गईं। 'ग्लोबल फ़ंड' की सेवाओं के ये नतीजे अलग-अलग क्षेत्रों से आए कई सहयोगियों की मदद से सामने आए हैं, जिनमें द्विपक्षीय सरकारें, तकनीकी से जुड़ी बहुआयामी एजेंसियां, निजी सेक्टर की कंपनियां, संगठन, इस योजना पर अमल करने वाले देश, सामाजिक समूह और इन बीमारियों से प्रभावित लोग शामिल हैं।

'ग्लोबल फ़ंड की छठी पुनःपूर्ति निवेश अध्ययन रिपोर्ट' का पूरा विवरण 'ग्लोबल फ़ंड की छठी पुनःपूर्ति' की शुरुआती मीटिंग में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े वैश्विक नेता पेश करेंगे और उस पर चर्चा करेंगे। इस शुरुआती मीटिंग की मेज़बानी भारत सरकार 8 फ़रवरी, 2019 को नई दिल्ली में करेगी।

'ग्लोबल फ़ंड की छठी पुनःपूर्ति निवेश अध्ययन रिपोर्ट का सारांश' देखने के लिए यहां क्लिक करें।

####

'ग्लोबल फ़ंड' 21वीं सदी की एक सहयोगी संस्था है, जिसे एड्स, टीबी और मलेरिया जैसी महामारियों को तेज़ी से ख़त्म करने के लिए स्थापित किया गया है। सरकारों, सामाजिक समूहों, निजी सेक्टर की कंपनियों और इन बीमारियों से प्रभावित लोगों के साथ साझेदारी में 'ग्लोबल फ़ंड' हर साल लगभग 4 बिलियन अमरीकी डॉलर की राशि जमा करता है और उसका निवेश करता है ताकि 100 से ज़्यादा देशों में मौजूद स्थानीय विशेषज्ञों की योजनाएं और कार्यक्रम चलाने में उनकी मदद की जा सके। कई रुकावटों का

डटकर सामना करते हुए और नए-नए रास्ते अपनाते हुए हम एक साथ काम कर रहे हैं ताकि इन बीमारियों से पीड़ित लोगों की बेहतर ढंग से सेवा कर सकें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

मेलानी ब्रूक्स
संचार व्यवस्था
मोबाइल नंबर: +41 79 590 3047
ईमेल: melanie.brooks@theglobalfund.org

'ग्लोबल फ़ंड' के सभी कार्यों की जानकारी यहां देख सकते हैं: www.theglobalfund.org

'ग्लोबल फ़ंड' को ट्विटर पर फ़ॉलो करें: http://twitter.com/globalfund
'ग्लोबल फ़ंड' से फ़ेसबुक पर जुड़ें: http://www.facebook.com/theglobalfund